दैनिक भास्कर
सिटी भास्कर रायपुर 22-08-2025

EXPERT SESSION डिजाइनर और आंत्रेप्रेन्योर जिमी मिस्त्री ने कहा- रायपुर में आएंगे इंटरनेशनल-स्टैंडर्ड रेसकोर्स, पोलो क्लब

लोगों की जिंदगी में बदलाव ला सकें, यही ग्रोथ

सिटी रिपोर्टर • रायपुर

असली सीख अनुभव से मिलती है। मैंने 2009 में भारत का पहला एक्सट्रीम एडवेंचर पार्क और 2010 से 2013 के बीच देश का पहला बड़ा लग्जरी रिसॉर्ट बनाया। 2017 में डीएटीए (डेला एडवेंचर ट्रेनिंग एकेडमी) की शुरुआत की। मेरे लिए प्रोग्रेस और ग्रोथ सिर्फ बैलेंस शीट और नेटवर्थ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात से तय होती है कि आप कितने लोगों की जिंदगी में बदलाव ला सके हैं।

एक कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर पहुंचे डेला ग्रुप के फाउंडर, डिजाइनर और आंत्रप्रेन्योर जिमी मिस्त्री ने सिटी भास्कर से खास बातचीत में अपनी जिंदगी, सोच और आने वाले प्रोजेक्ट्स को साझा किया। अहमदाबाद के एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे जिमी ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा की पढ़ाई की, लेकिन आखिरी साल में ही पढ़ाई छोड़ दी। महज 19 साल की उम्र में उन्होंने अपनी बाइक बेचकर सर्विस इंटरप्राइज शुरू किया। आज वे डिजाइनिंग, रियल एस्टेट और हॉस्पिटैलिटी की दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम हैं।

रायपुर की स्पेंडिंग कैपेसिटी ज्यादा

जिमी मिस्त्री ने बताया कि नया रायपुर में हम टाउनशिप ला रहे हैं। यह घुड़सवारी-थीम पर आधारित भारत का पहला इंटीग्रेटेड टाउनशिप होगा। 50 एकड़ के इस प्रोजेक्ट में इंटरनेशनल-स्टैंडर्ड रेसकोर्स, पोलो क्लब, 128 ब्रांडेड रेजिडेंसेज, पेंटहाउस, लीजर और रिटेल स्पेस, यूरोपीय वेलनेस सेंटर और 272 प्राइवेट विला प्लॉट्स होंगे। रायपुर में मुझे जबरदस्त पोटेंशियल नजर आता है। यहां की स्पेंडिंग कैपेसिटी जयपुर, इंदौर, नागपुर या लखनऊ से कहीं ज्यादा है। यह प्रोजेक्ट रायपुर की ब्रांड वैल्यू को नई ऊंचाई देगा।

लग्जरी लाइफ में रिसॉर्ट लिविंग का ट्रेंड, लेकिन इंडिया में डिजाइन कम

लग्जरी प्रोजेक्ट पर ही क्यों काम करते हैं?

मैंने जीवन में हर प्रोजेक्ट को एक फ्री डिस्ट्रिक्ट की तरह किया। कोई आइडिया मेरे दिमाग में आता है, मैं उसकी छवि बनाता हूं और फिर उसे जमीन से जोड़ता हूं। यह बिल्कुल बच्चे को जन्म देने जैसा है। जब मैंने 15 साल पहले लोनावला में पहला एक्सट्रीम एडवेंचर पार्क बनाया, तब भारत में ऐसा कोई पार्क नहीं था। मेरी एंट्री हॉस्पिटैलिटी में भी इसी सोच से हुई। रात को काम खत्म करने के बाद जब होटल या कैफे में जाता था तो खाने के विकल्प बहुत सीमित होते थे। मैंने सोचा कि क्यों न ऐसा रिसॉर्ट बनाया जाए जहां लोगों को हर अनुभव मिले।

आपके काम करने का सिग्नेचर स्टाइल क्या है?

मैंने अपने कार्य में सीडीडीएमओ (कॉन्सेप्ट, डिजाइन, डेवलपमेंट, मार्केटिंग और ऑपरेशंस) मॉडल विकसित किया है। "हमारा पहला टाउनशिप पुणे में बना। मेरी नजर में टाउनशिप सिर्फ रियल एस्टेट नहीं, बल्कि एक माइक्रो-कोसम है जो ग्लोबल सिटी का प्रतिनिधित्व करता है। मैं रिसॉर्ट लिविंग में विश्वास करता हूं—ऐसा घर जहां आप पूरी जिंदगी वैकेशन जैसा अनुभव कर सकें। इसी विचार को हम रियल एस्टेट में ला रहे हैं। इस साल हम 20,000 करोड़ रुपये के 10 टाउनशिप लॉन्च करेंगे।

नया आर्किटेक्चरल ट्रेंड क्या आने वाला है?

बायोफिलिक आर्किटेक्चर आने वाले समय का सबसे बड़ा ट्रेंड है।" नेचर से इंस्पायर डिजाइन, ऑर्गेनिक शेप्स और सस्टेनेबिलिटी आधारित प्रोजेक्ट आने वाले वर्षों में बड़ा बदलाव लाएंगे। मैं हर टाउनशिप को आइकॉनिक बनाना चाहता हूं, चाहे वह मास्टर प्लान हो, लाइटिंग या लैंडस्केप। लक्जरी और सस्टेनेबिलिटी दोनों ही आज सबसे बड़ी डिमांड हैं।

सस्टेनेबिलिटी पर इतना क्यों फोकस कर रहे हैं?

मेरे लिए सस्टेनेबिलिटी कोई फैशन नहीं बल्कि आदत है। यह सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। हम पानी, हवा और जमीन को बचाने के साथ-साथ रोजगार और शिक्षा देकर लोगों की जिंदगी बदलना चाहते हैं। रायपुर में भी हम स्कूल गोद लेकर बच्चों की शिक्षा पर काम करेंगे।"

लीडर्स क्लब का ख्याल कैसे आया इसके क्या फायदे हो सकते हैं?

दुनिया के कई बड़े शहरों में बिजनेस क्लब हैं, लेकिन रायपुर में अभी तक ऐसा कोई क्लब नहीं है। मेरा सपना है कि हर शहर में एक सबसे सुंदर और प्रोफेशनल बिजनेस क्लब हो जहां आंत्रप्रेन्योर एक-दूसरे से जुड़कर नए अवसर खोज सकें। यह केवल फैमिली क्लब नहीं बल्कि शुद्ध बिजनेस क्लब होगा।

ग्रीन बिल्डिंग और डिजाइन इंडस्ट्री का भविष्य?

ग्रीन बिल्डिंग का कॉन्सेप्ट आजकल मार्केटिंग टूल की तरह इस्तेमाल हो रहा है। हम 17 साल से असली सस्टेनेबिलिटी पर काम कर रहे हैं। आने वाले 10 साल में डिजाइन इंडस्ट्री में बड़े बदलाव होंगे। जब हम भारत में विश्वस्तरीय डिजाइन करेंगे, तभी मेक इन इंडिया और डिजाइन इन इंडिया को असली बल मिलेगा।